अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) **अशुद्ध उच्चारण करने से दोष लगता है -**

(क) ज्ञान का (ख) दर्शन का

(ग) चारित्र का (घ) तप का ( )

(b) **दीर्घ मात्रा का शब्द है -**

(क) कुल (ख) उष्ट्र

(ग) कीला (घ) इक्षु ( )

(c) **प्राकृत भाषा में कौनसा अक्षर नहीं होता -**

(क) प (ख) श

(ग) भ (घ) स ( )

(d) **प्राण होते हैं -**

(क) 10 (ख) 9

(ग) 8 (घ) 6 ( )

(e) **पाँचवा उपयोग है -**

(क) मति अज्ञान (ख) केवल ज्ञान

(ग) श्रुत अज्ञान (घ) अवधि ज्ञान ( )

(f) **9 वें तीर्थंकर का नाम है -**

(क) श्री संभवनाथजी (ख) श्री सुमतिनाथजी

(ग) श्री वासुपूज्यजी (घ) श्री सुविधिनाथजी ( )

(g) **अरिहंत ने कौनसे कर्म का क्षय नहीं किया -**

(क) वेदनीय (ख) ज्ञानावरणीय

(ग) मोहनीय (घ) दर्शनावरणीय ( )

(h) **भ. महावीर के शासन में कितने साधुओं ने मोक्ष प्राप्त किया -**

(क) 1400 (ख) 700

(ग) 14000 (घ) 7000 ( )

(i) **'बीयक्कमणे' शब्द किस पाठ में हैं -**

(क) णमोत्थुणं (ख) तस्स उत्तरी

(ग) इच्छाकारेणं (घ) करेमि भंते ( )

(j) **ईशान कोण कौनसी दिशा में होता है -**

(क) उत्तर-पूर्व (ख) उत्तर-पश्चिम

(ग) उत्तर-दक्षिण (घ) पूर्व- पश्चिम ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) शब्द के ऊपर का तुर्राकार र आधार होता है। ( )

(b) भ. महावीर का जन्म चैत्र कृष्णा त्रयोदशी को हुआ था। ( )

(c) सामायिक पारते समय इच्छाकारेणं के पाठ का काउस्सग्ग किया जाता है। ( )

(d) आलम्बन दोष सामायिक में लगने वाला काया का दोष है। ( )

(e) आत्मा की शुद्ध स्थिति संसार है। ( )

(f) जैन साधु 3 समिति 5 गुप्ति का पालन करते हैं। ( )

(g) सामायिक राग-द्वेष को जीतने की क्षमता का विकास करने की क्रिया है। ( )

(h) शब्द के प्रारम्भ में आधा अक्षर आवे तो उसके बाद वाले अक्षर पर जोर दिया जाना चाहिए। ( )

(i) स्थानक में जाते समय दस अभिगम का पालन किया जाता है। ( )

(j) सम्यक्त्व के प्रति दृढ़ता रखना दर्शन विनय है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मैं चतुर्विध संघ की स्थापना करता हूँ। .....

(b) मैं अशरीरी होता हूँ। .....

(c) मेरे 2 विषय एवं 12 विकार हैं। .....

(d) मेरा अंतिम चातुर्मास हस्तीपाल राजा की पौषधशाला में हुआ। .....

(e) मेरे द्वारा महावीर के जीव का महारानी त्रिशलादेवी की कुक्षि में साहरण करवाया। .....

(f) मैं निर्दयता व पशुता की सबसे बडी निशानी हूँ। .....

(g) मैं मानव जीवन का भयंकर कोढ़ हूँ। .....

(h) मैं आत्मा का निज स्वभाव हूँ। .....

(i) मेरे द्वारा सामायिक ली जाती है। .....

(j) मैं उन्नीसवाँ तीर्थकर हूँ। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

				सही उत्तर
(a)	अविवेक दोष	-	जीवियाओ	.....
(b)	सक्कारेमि	-	चलासन दोष	.....
(c)	संघट्टिया	-	मोयगाणं	.....
(d)	आलस्य दोष	-	दीर्घ	.....
(e)	सामाइयं	-	राजकथा	.....
(f)	जिणाणं	-	झाणेणं	.....
(g)	स्त्री कथा	-	संशय दोष	.....
(h)	भमलीए	-	अणुपालियं	.....
(i)	भय दोष	-	निदान दोष	.....
(j)	ह्रस्व	-	सम्माणेमि	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **12x2=(24)**

(a) **आंतरिक शत्रु किसे कहा गया है ?**

.....

.....

(b) **सामायिक में लगने वाले वचन के अंतिम चार दोष लिखिए।**

.....

.....

(c) **प्रथम चार योग लिखिए।**

.....

.....

(d) **स्पर्शनेन्द्रिय के आठ विषयों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(e) **पच्चीस बोल का तीसरा बोल लिखिए।**

.....

.....

(f) शरीर कितने हैं? नाम भी लिखिए।

.....

.....

(g) 2,8,14 व 22वें तीर्थकर के नाम लिखिए।

.....

.....

(h) अजंलीकरण अभिगम का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

(i) जुआ किसे कहते हैं?

.....

.....

(j) विनय से होने वाले कोई दो लाभ पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए।

.....

.....

(k) हो लाख ..... मुक्ति गामी की। प्रार्थना की कड़ी को लिखिए।

.....

.....

(l) जो पाप ..... ज्ञानी की। प्रार्थना की कड़ी को लिखिए।

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए :- 12x3=(36)

(a) हमारे (सच्चे) गुरू की कोई तीन विशेषताएँ पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए।

.....

.....

.....

(b) कायोत्सर्ग-शुद्धि सूत्र लिखिए।

.....

.....

.....

(c) सामायिक में क्या-क्या करना चाहिए।

.....

.....

.....

(d) मिथ्यात्व के प्रथम तीन भेद लिखिए।

.....

.....

.....

(e) अंतिम छः गुणस्थानों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(f) पच्चीस बोल का दसवाँ बोल लिखिए।

.....

.....

.....

(g) भ. महावीर के जीवन से मिलने वाली तीन शिक्षाएँ लिखिए।

.....

.....

.....

(h) प्रभु महावीर के द्वारा ग्रहण किए गये अभिग्रह में भाव से ली गयी कोई तीन प्रतिज्ञाएँ लिखिए।

.....

.....

.....

(i) अरिहंताणं .....भंडारी है। प्रार्थना के चरण को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

.....

(j) **उवज्झायाणं .....बीमारी है। प्रार्थना के चरण को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

(k) **सुविहिं च ..... नमिजिणं च। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

(l) **लोगुत्तमाणं ..... धम्मदयाणं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....